विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

* राखी पर कविता

पवित्रता की राखी लेकर बाबा आया हमारे पास
बांधकर राखी करवाता पांच विकारों से संन्यास

जब भी छूए मेरी कलाई को पवित्र राखी की डोर
देखूं बाबा के नयनों में होकर मैं पूरा भाव विभोर

भूल गया मैं दैहिक भान मेरी आत्म चेतना जागी
दिव्य गुण अपनाये मैंने विकारों से मैं हुआ वैरागी

मेरी दृष्टि बनी पवित्र दिव्यता का हो रहा संचार
देह अभिमान के रोग का सहज हो रहा उपचार

रक्षा बंधन के अवसर पर ये कसम खाएं मिलकर
इस दुनिया में रहेंगे हम कमल पुष्प सा खिलकर

पवित्रता की प्रतिज्ञा को हम याद रखेंगे बारम्बार
अपने जीवन में कभी नहीं आने देंगे पांच विकार

नहीं रखेंगे किसी के प्रति मन में कोई वैर विरोध
छोड़कर सारी व्यर्थ बातें करते रहेंगे आत्म शोध

विश्व सेवा में बीते अपने जीवन का हर एक क्षण
दुनिया को पावन बना देंगे करते हैं आज ये प्रण

*ॐ शांति।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi

OR scan this QR code with your phone camera ->